अव्यक्त पालना का रिटर्न

बापदादा आज रूहानी महफिल में क्या देख रहे है

बापदादा आज रूहानी महफिल में विशेष तीन प्रकार के सितारे हैं।

1. एक हैं सफलता के सितारे
2. दूसरे हैं लक्की सितारे
3. तीसरे हैं उम्मीदवार सितारे

28.01.76

प्रश्न हमारे,
उत्तर बापदादा के

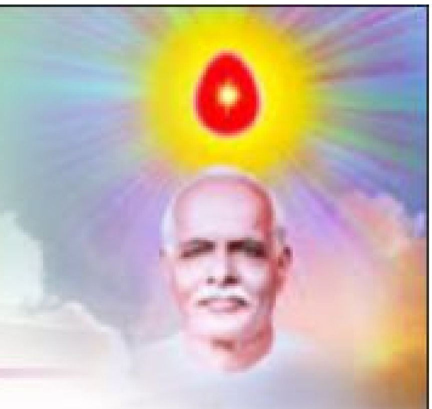

प्रश्न :- मीठे बाबा, 'हर एक सितारे को अपने आप से क्या पूछना चाहिए'?

उत्तर :- मीठे बच्चे,

1. अभी हर-एक अपने आप से पूछे कि मैं कौन हूँ?
2. सारे दिन की दिनचर्या में संकल्प, श्वास, समय, बोल, कर्म और सम्बन्ध व सम्पर्क में सफलतामूर्त्त अर्थात् सफलता के सितारे स्वयं को अनुभव करते हो?
3. जैसे बाप द्वारा सुख शान्ति, ज्ञान-रत्नों की सम्पत्ति जन्म-सिद्ध अधिकार के रूप में प्राप्त हुई है, वैसे हर बात में और हर समय सफलता भी जन्म-सिद्ध अधिकार के रूप में अनुभव होती है अर्थात् सहज प्राप्ति अनुभव होती है? अथवा मेहनत के बाद? मेहनत ज्यादा और सफलता कम अनुभव होती है?
4. जितना सोचते हैं, करते हैं, उतना संकल्प और कर्म का प्रत्यक्ष फल प्राप्त होता है? या हो ही जावेगा, अभी नहीं कभी तो होगा - ऐसे भविष्य-फल की उम्मीदों पर चलते हैं?
5. संकल्प की उत्पत्ति के साथ सफलता हुई पड़ी है, यह निश्चय का संकल्प साथ-साथ होता है?

28.01.76

मन की बात... बापदादा के साथ

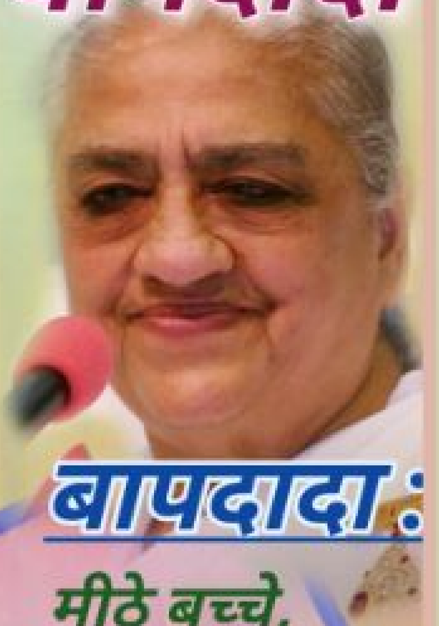

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा,
उम्मीदवार सितारों की कौन सी एक विशेषता होगी ?

बापदादा :

मीठे बच्चे,
उम्मीदवार सितारों की एक विशेषता होगी कि वह :-

- हर समय सहारा लेने के कारण बाबा की याद रहेगी।

- उनके मुख से नशे से और निश्चय से यह बोल निकलेंगे - कि हमारा बाबा हमारे साथ है। आखिर वह दिन आयेगा जब संकल्प को कर्म में लाकर ही दिखायेंगे। ऐसी उम्मीद हर समय रहती है। दिल-शिकस्त नहीं बनते हैं।

- सम्बन्ध और सम्पर्क में भी सर्व का सत्कार करने के कारण स्नेही होते हैं।

- उनके चेहरे पर परिवार के साथ स्नेह की झलक दिखाई देती है।

28.01.76

28-1-76
अव्यक्त वाणी का मुख्य बिंदु

बापदादा आज रूहानी महफिल में क्या देख रहे हैं?

1) एक हैं सफलता के सितारे

2) दूसरे हैं लकी सितारे

3) तीसरे हैं उम्मीदवार सितारे

28-01-76 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं सफलता का सितारा हूँ।

सफलता का सितारा अर्थात् प्रकृति और माया पर विजय प्राप्त करने वाली। हर बात में और हर समय सफलता को जन्म-सिद्ध अधिकार के रूप में अनुभव करने वाली।

28-01-76

रूहानी सितारों की महफिल

→ सारे दिन की दिनचर्या में संकल्प, श्वास, समय, बोल, कर्म और सम्बन्ध व सम्पर्क में सफलतामूर्त अर्थात् सफलता के सितारे स्वयं को अनुभव करते हो?

→ संकल्प की उत्पति के साथ सफलता हुई पडी है, यह निश्चय का संकल्प साथ-साथ होता है?